और कितना तेज़ भाग सकते हैं हम?

महिला धावकों, रेस के घोड़ों और शिकारी कुत्तों में क्या समानता है? समानता यह है कि शायद ये सभी अपने सर्वोत्तम प्रदर्शन पर पहुंच चुके हैं। दूसरी ओर, महिला मैराथन धावक और हर दूरी के पुरुष धावक अभी भी अपने रिकार्डों में सुधार कर रहे हैं। मार्क डेनी का यही निष्कर्ष है।

स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय के मार्क डेनी 1920 के दशक से एथलेटिक प्रतिस्पर्धाओं, घोड़ों की रेस और शिकारी कुत्तों की दौड़ के रिकार्ड का अवलोकन कर रहे हैं। वे यह देखना चाहते हैं कि क्या इन आंकड़ों से यह दिखता है कि इन्सानों और जानवरों की रफ्तार की कोई सीमा है। यह सवाल कई बार पूछा जाता है कि क्या ओलंपिक रिकॉर्ड टूटते ही जाएंगे।

विजेता शिकारी कुत्तों और घोड़ों की रफ्तार 1970 के दशक तक बढ़ती रही लेकिन फिर उनमें स्थिरता-सी आ गई। डेनी की राय है कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि ये जानवर अपनी प्रजाति की अधिकतम सीमा तक ही जा सकते हैं। और वैसे भी मनुष्य ने इनका चयन अनुकूलतम शारीरिक बनावट के लिहाज़ से ही किया है।

कम दूरी की महिला धावकों की रफ्तार में भी 1970 के दशक में एक स्थिरता सी आने लगी थी। उसके बाद रिकॉर्ड्स में बहुत कम और यदा-कदा ही सुधार हुए हैं। जबकि महिला मैराथन धावकों और समस्त पुरुष धावकों में सुधार अभी भी जारी है।

इन आंकड़ों का प्रयोग कर डेनी ने एक मॉडल विकसित किया है। इसके आधार पर लगता है कि पुरुष धावक 100 मीटर की दौड़ में 9.48 सेकण्ड का सर्वोत्तम समय निकाल सकते हैं। यह उसैन बोल्ट के वर्तमान रिकार्ड से 0.21 सेकण्ड बेहतर है। महिला मैराथन धावक पौला रेडक्लिफ के वर्तमान मैराथन रिकार्ड (2 घंटे 15 मिनट 25 सेकण्ड) में 2 मिनट 44 सेकण्ड की और कटौती कर सकती हैं। ***(स्रोत फीचर्स)***